



|| श्री गणेशाय नमः ||

राशिफल

Megha Pargal

22/02/1996 07:45

Jammu and Kashmir

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

बुनियादी विवरण

जन्म की तारीख	22/02/1996
जन्म का समय	07:45
जन्म स्थान	Jammu and Kashmir
अक्षांश	33.277839
देशान्तर	75.3412179
समय क्षेत्र	5.5
अयनांश	23.808177038290665
सूर्योदय	07:10:00
सूर्यास्त	18:15:00

घटक चक्र

महीना	शुक्र
तिथि	5 (पंचमी), 10 (दशमी), 15 (पूर्णिमा / अमावस्या)
विपरीत लिंग लग्न	कुंभ
नक्षत्र	
भगवान	बृहस्पति
समलिंगी लग्न	सिंह
Tatva	आकाश
रासी	कुंभ

पंचांग विवरण

तिथि	चतुर्थी
योग	सुभा
नक्षत्र	रेवती
करण	वनिजा

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	ब्राह्मण
वास्या	जलचर
योनि	हाथी
तिथि	शु. चतुर्थी
नक्षत्राधिपति	बुध
नक्षत्र	रेवती
प्रबल	कुंभ
Tatva	जल
करण	विष्णि
नक्षत्र स्वामी	बृहस्पति
दलदल	चांदी
नाम वर्णमाला	द
रासी	मीन
नाड़ी	कफ

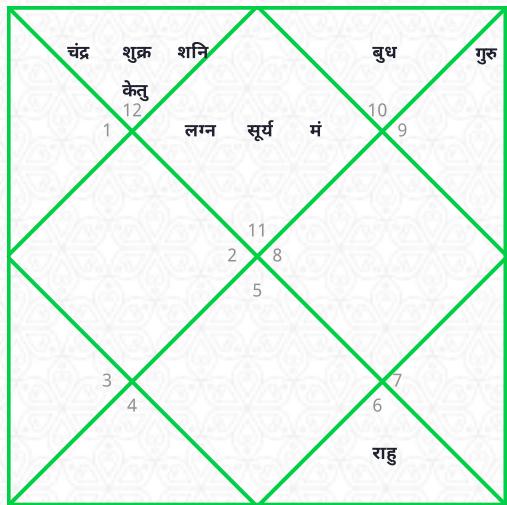
ग्रहों की स्थिति

ग्रहों	आर	संकेत	डिग्री	साइन लॉर्ड	नक्षत्र	नक्षत्राधिपति	घर
लग्नश	कुंभ	321.62571002056336	शनि	पूर्वभद्र(1)	बृहस्पति	1	
सूर्य	कुंभ	308.93598110435266	शनि	शतभिषा(1)	राहु	1	
चंद्रमा	मीन	350.1546415933133	बृहस्पति	रेवती(2)	बुध	2	
मंगल	कुंभ	311.41945104932813	शनि	शतभिषा(2)	राहु	1	
बुध	मकर	284.8724915906316	शनि	श्रवण(2)	चंद्रमा	12	
बृहस्पति	धनु	256.5624461096058	बृहस्पति	पूर्वाषाढ़(1)	शुक्र	11	
शुक्र	मीन	351.41280593866475	बृहस्पति	रेवती(2)	बुध	2	
शनि	मीन	330.6518770440271	बृहस्पति	पूर्वभद्र(4)	बृहस्पति	2	
राहु	कन्या	175.8950749171025	बुध	चित्र(1)	मंगल	8	
केतु	मीन	355.89507491710253	बृहस्पति	रेवती(3)	बुध	2	

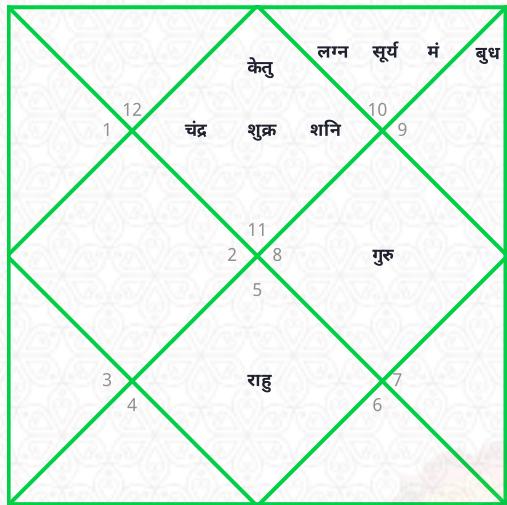
 सूर्य कुंभ शतभिषा(1) नुकसानदायक	 चंद्रमा मीन रेवती(2) नुकसानदायक	 मंगल कुंभ शतभिषा(2) नुकसानदायक
 बुध मकर श्रवण(2) तटस्थ	 बृहस्पति धनु पूर्वाषाढ़(1) अत्यधिक नुकसानदायक	 शुक्र मीन रेवती(2) योगकारक
 शनि मीन पूर्वभद्र(4) लाभकारी	 राहु कन्या चित्र(1) अशुभ	 केतु मीन रेवती(3) अशुभ

राशिफल चार्ट

लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)

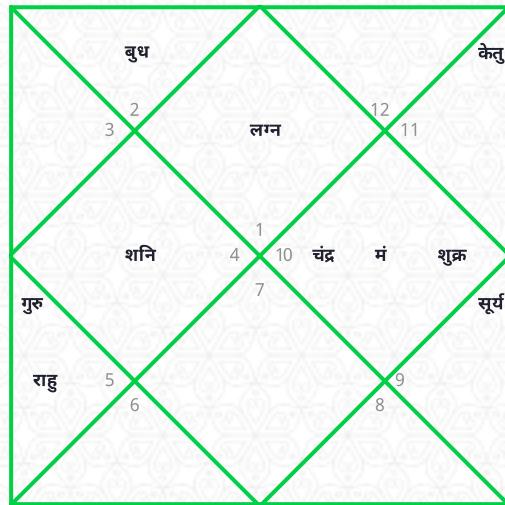


लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।



नवमांश चार्ट(D9)

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

समग्र मैत्री तालिका

स्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	--	--	--	--	--	--
चंद्रमा	--	--	--	--	--	--	--
मंगल ग्रह	--	--	--	--	--	--	--
बुध	--	--	--	--	--	--	--
बृहस्पति	--	--	--	--	--	--	--
शुक्र	--	--	--	--	--	--	--
शनि ग्रह	--	--	--	--	--	--	--

अस्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	दोस्त	दुश्मन	--
मंगल ग्रह	दुश्मन	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--
बुध	दोस्त	दोस्त	--	--	दोस्त	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	--	दोस्त	--
शुक्र	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	दोस्त	--	--
शनि ग्रह	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	दोस्त	दुश्मन	--

समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	दोस्त	दुश्मन	--
मंगल ग्रह	दुश्मन	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--
बुध	दोस्त	दोस्त	--	--	दोस्त	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	--	दोस्त	--
शुक्र	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	दोस्त	--	--
शनि ग्रह	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	दोस्त	दुश्मन	--

विंशोत्तरी दशा - 1

बुध		केतु		शुक्र	
गुरु फरवरी 17 1994	मंगल सितंबर 16 2008	गुरु फरवरी 12 2009	बुद्ध सितंबर 16 2015	मंगल जनवरी 15 2019	मंगल सितंबर 11 2035
बुध	फरवरी 17 1994	केतु	फरवरी 12 2009	शुक्र	जनवरी 15 2019
केतु	फरवरी 14 1995	शुक्र	अप्रैल 14 2010	सूर्य	जनवरी 15 2020
शुक्र	दिसंबर 14 1997	सूर्य	अगस्त 20 2010	चंद्रमा	सितंबर 14 2021
सूर्य	अक्टूबर 20 1998	चंद्रमा	मार्च 21 2011	मंगल	नवंबर 14 2022
चंद्रमा	मार्च 20 2000	मंगल	अगस्त 17 2011	राहु	नवंबर 13 2025
मंगल	मार्च 17 2001	राहु	सितंबर 03 2012	बृहस्पति	जुलाई 13 2028
राहु	अक्टूबर 04 2003	बृहस्पति	अगस्त 10 2013	शनि	सितंबर 12 2031
बृहस्पति	जनवरी 08 2006	शनि	सितंबर 19 2014	बुध	जुलाई 12 2034
शनि	सितंबर 16 2008	बुध	सितंबर 16 2015	केतु	सितंबर 11 2035

सूर्य		चंद्रमा		मंगल	
रवि दिसंबर 30 2035	बुद्ध सितंबर 11 2041	शनि जुलाई 12 2042	रवि सितंबर 10 2051	मंगल फरवरी 06 2052	सोम सितंबर 09 2058
सूर्य	दिसंबर 30 2035	चंद्रमा	जुलाई 12 2042	मंगल	फरवरी 06 2052
चंद्रमा	जून 30 2036	मंगल	फरवरी 10 2043	राहु	फरवरी 23 2053
मंगल	नवंबर 05 2036	राहु	अगस्त 11 2044	बृहस्पति	जनवरी 30 2054
राहु	सितंबर 30 2037	बृहस्पति	दिसंबर 11 2045	शनि	मार्च 11 2055
बृहस्पति	जुलाई 19 2038	शनि	जुलाई 12 2047	बुध	मार्च 07 2056
शनि	जुलाई 01 2039	बुध	दिसंबर 10 2048	केतु	अगस्त 03 2056
बुध	मई 06 2040	केतु	जुलाई 11 2049	शुक्र	अक्टूबर 03 2057
केतु	सितंबर 11 2040	शुक्र	मार्च 11 2051	सूर्य	फरवरी 08 2058
शुक्र	सितंबर 11 2041	सूर्य	सितंबर 10 2051	चंद्रमा	सितंबर 09 2058

विंशोत्तरी दशा - 2

राहु		बृहस्पति		शनि	
रवि	मई 22 2061	सोम	अक्टूबर 24 2078	सोम	सितंबर 05 2095
शनि	सितंबर 05 2076	मंगल	सितंबर 02 2092	सोम	अगस्त 31 2111
राहु	मई 22 2061	बृहस्पति	अक्टूबर 24 2078	शनि	सितंबर 05 2095
बृहस्पति	अक्टूबर 15 2063	शनि	मई 06 2081	बुध	मई 14 2098
शनि	अगस्त 20 2066	बुध	अगस्त 11 2083	केतु	जून 23 2099
बुध	मार्च 08 2069	केतु	जुलाई 17 2084	शुक्र	अगस्त 23 2102
केतु	मार्च 26 2070	शुक्र	मार्च 17 2087	सूर्य	अगस्त 05 2103
शुक्र	मार्च 25 2073	सूर्य	जनवरी 03 2088	चंद्रमा	मार्च 05 2105
सूर्य	फरवरी 17 2074	चंद्रमा	मई 04 2089	मंगल	अप्रैल 14 2106
चंद्रमा	अगस्त 19 2075	मंगल	अप्रैल 10 2090	राहु	फरवरी 17 2109
मंगल	सितंबर 05 2076	राहु	सितंबर 02 2092	बृहस्पति	अगस्त 31 2111

वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	शुक्र	मंगल सितंबर 22 2015 रात 12:00 बजे	शनि सितंबर 22 2035 रात 12:00 बजे
अंतर्दशा	राहु	सोम नवंबर 21 2022 दोपहर 3:00 बजे	शुक्र नवंबर 21 2025 सुबह 9:00 बजे
पर्यातर्दशा	बुध	मंगल मार्च 19 2024 दोपहर 1:57 बजे	बुद्ध अगस्त 21 2024 शाम 7:30 बजे
शुक्रशमदाशा	बृहस्पति	रवि जुलाई 07 2024 दोपहर 12:52 बजे	रवि जुलाई 28 2024 बहुत सवेरे 5:37 बजे
प्रणादशा	शुक्र	बुद्ध जुलाई 17 2024 शाम 5:06 बजे	रवि जुलाई 21 2024 बहुत सवेरे 3:54 बजे

* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

लग्न रिपोर्ट



लग्न रिपोर्ट : कुंभ

विशेषताएँ	स्थिर, हवादार, पश्चिम
भाग्यशाली रूप	नीलमणि
भगवान्	शनि
प्रतीक	पानी वाहक
उपवास का दिन	शनिवार

|ॐ शनैश्चराय विद्धहे छायापुत्राय धीमहि तत्रो मंदः प्रचोदयात् ॥

कुंभ अपने अनुसंधान उन्मुख दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है। आप किसी भी प्रयास या पहल में गहराई से उतरेंगे। आप विशेष रूप से चिकित्सा, वित्त, इंजीनियरिंग, शिक्षण, प्रशासन और दर्शन में अनुसंधान क्षेत्रों में बहुत अच्छा करेंगे। यदि लग्न है पीड़ित, आप जीवन में किसी भी चीज़ से संतुष्ट नहीं होते हैं और अपने असंतोष के कारण चिड़चिड़े हो जाते हैं। दूसरी ओर, कुंभ राशि के लोग सभी पहलुओं में बहुत देखभाल करने वाले और भाग्यशाली होते हैं क्योंकि उन्हें अपने जीवन में जो कुछ भी चाहिए वह मिलता है।

आपकी दूरदर्शी और नवोन्वेषी भावना आपको मानदंडों को चुनौती देने और प्रगतिशील विचारों की तलाश करने के लिए प्रेरित करती है। आप बौद्धिक स्वतंत्रता और परिवर्तन को महत्व देते हैं।

जबसे भगवन लग्नेश 2 गृह मे है। परिवार में कलह आम हो सकता है। आपको धन को लेकर भय और चिंता हो सकती है। आप अपने परिवार और रिश्तेदारों का समर्थन करेंगे लेकिन उनके साथ आपके रिश्ते में नुकसान हो सकता है। आप अच्छी रकम कमाने में सक्षम होंगे लेकिन कर सकते हैं कंजूस बनो। बचपन में, आपको बहुत गरीबी का सामना करना पड़ सकता है इसलिए आप पैसे को महत्व देना सीखेंगे।

लग्न रिपोर्ट

आध्यात्मिक सलाह

अपनी आध्यात्मिक यात्रा में, अपनी विशिष्टता को अपनाएं और सामूहिक कल्याण के लिए प्रयास करें। ध्यान के माध्यम से अपने उच्च स्व से जुड़ें।

सकारात्मक लक्षण

बौद्धिक

आविष्कारशील

मानवतावादी

अपरंपरागत

नकारात्मक लक्षण

निर्लिप्त

जिद्दी

विलक्षण

निर्व्याक्तिक



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें